आत्मनिर्भर गाँव, स्वावलम्बी खेती, स्वरोजगार सृजन एवं पोषण प्रबन्धन आधारित

कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा

(03–17 अक्टूबर, 2020)

एक दृष्टि में

प्रसार निदेशालय

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर–2

दिनाँक – 03.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 डी0आर0 सिंह, कुलपति
अन्य अतिथि	:	1. डा0 धर्मराज सिंह, अधिष्ठाता (कृषि)। 2. डा0 धूम सिंह, निदेशक प्रसार। 3. डा0 एच0जी0 प्रकाश, निदेशक, शोध। 4. डा0 एक0के0 सिंह, अपर निदेशक प्रसार। 5. डा0 पी0के0 राठी, सह निदेशक प्रसार। 6. डा0 सुभाष चन्द्रा, सह निदेशक प्रसार। 7. डा0 जितेन्द्र सिंह, सह प्राध्यापक। 8. विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक/शिक्षक/अधिकारी गण।
वार्ताकार	:	1. डा0 महक सिंह, प्राध्यापक/विभागाध्यक्ष। 2. डा0 नलिनी तिवारी, प्राध्यापक/विभागाध्यक्ष। 3. डा0 जितेन्द्र सिंह, कृषि वैज्ञानिक।
प्रशिक्षण विषय	:	तिलहन उत्पादन तकनीक।
प्रतिभागी व संख्या	:	के0वी0के0, दलीपनगर जनपद कानपुर देहात के 50 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	म0 कुलपति महोदय ने कहा कि यह कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा का आयोजन कोविड–19 महामारी के समय में किसान मेला आयोजित न होने पर जनपदों के गांव–गांव, खेत–खेत एवं किसानों तक खेती, पशुपालन व उद्यान तथ पोषण सुरक्षा के 15 विषयों पर 50 से अधिक कृषि वैज्ञानिकों की वार्ता कराकर तकनीकी पहुचाने का कार्य किया जायेगा। रबी फसलों के बीज भी कृषक ले इस उद्देश्य से 15 दिवसीय कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	कृषकों से प्रश्नोंत्तरी की गई तथा निर्धारित प्रारूप पर सभी कृषकों का फीडबैक लिया गया कृषकों ने कहा कि पखवाड़ा बहुत ही समय से आयोजित हुआ है। रबी फसलों की तकनकी मिली तथा बीज भी ले जाने का मौका मिला। हम सब मा0 कुलपति महोदय की कृषक हितैशी सोंच के लिए धन्यवाद करते हैं।

दिनाँक – 04.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 विजय यादव, मुख्य धान्य विद्
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	1. डा0 वी0के0 कनौजिया, वरि0 वैज्ञानिक–अध्यक्ष, के0वी0के0, कन्नौज। 2. डा0 राजीव, शाकभाजी विभाग। 3. डा0 संजीव सचान, शाकभाजी विभाग। 4. डा0 अमर सिंह, वैज्ञानिक (उद्यान)। 5. प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 संजीव सचान, शाकभाजी विभाग। 2. डा0 राजीव, शाकभाजी विभाग। 3. डा0 अनिल सिंह, सहा0 प्राध्यापक।
प्रशिक्षण विषय	:	आलू, मसाला एवं सब्जी उत्पादन।
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, कन्नौज के 48 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि महोदय ने कहा कि जनपद कन्नौज के कृषकों के लिए उनकी खेती के अनरूप आलू, मसाला एवं सब्जी उत्पादन की जानकारी दी गई कृषकों के लिए लाभाकारी होगी। कृषकों ने प्रशिक्षण वार्तायें बहुत प्रभावी ढंग से सुनी आपने सुझाव भी रखा। अन्त में कहा कि ये पखवाड़ा बहुत ही उपयोगी पहल है।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	कृषकों ने कहा और मूल्यांकन प्रारूप में लिखा कि जो वार्ता विषय रखी गयी हमारी खेती के अनुरूप है। आज के बाद गर्मी की मूँगफली की जानकारी जो दी गई बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम ऐसे समय में रखा गया जो रबी फसलों हेतु बहुत ही उचित समय है।

दिनाँक – 05.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 एच0जी0 प्रकाश, निदेशक शोध
अन्य उपस्थित अधिकारी / वैज्ञानिक गण	:	1. श्री दीपू सिंह, सदस्य जिला पंचायत। 2. डा0 आर0ए0 यादव, प्राध्यापक (सस्य विद्)। 3. डा0 महक सिंह, प्राध्यापक / विभागाध्यक्ष। 4. प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 आर0ए0 यादव, प्राध्यापक (सस्य विद्)। 2. डा0 आशा यादव, प्रभारी एटिक। 3. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
प्रशिक्षण विषय	:	तकनीकी प्रसार।
प्रतिभागी व संख्या	:	चन्द्रशेखर कृषक समिति के विभिन्न जनपदों से 36 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि डा0 एच0जी0 प्रकाश निदेशक, शोध ने कहा कि 15 दिवसीय कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा में किसनों को जानकारी देने व बीज उपलब्धता हेतु बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है। मा0 कुलपति जी के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण में जो तकनीकी प्रसार के कौशल, आवश्यकता एवं जनपदवार कृषि की तकनीकी पहुँचाने हेतु प्रभावी जानकारी दी जा रही है उसमें तकनीकी प्रसार में चन्द्रशेखर समिति के सदस्यों का योगदान महत्वपूर्ण है।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	समिति के सभी सदस्य ने कहा कि मा0 कुलपति जी की ये में कृषक हितैषी सोंच है जो कोरोना की समस्या को अवसर में बदला है। हम प्रत्येक जनपद में तकनीकी प्रसार करने में पूरा सहयोग करेंगे आज की प्राप्त जानकारी वास्तव में किसानों की आय दुगनी करने हेतु सहयोगी होगा।

दिनाँक – 06.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 रामप्यारे, नोडल अधिकारी, आई.सी.ए.आर.
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	1. डा0 विकास रंजन चौधरी। 2. डा0 पी0के0 गुप्ता, ब्रीडर, रबी सीरियल अनुभाग। 3. डा0 सोमवीर सिंह, ब्रीडर, रबी सीरियल अनुभाग। 4. प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 पी0के0 गुप्ता, ब्रीडर, रबी सीरियल अनुभाग। 2. डा0 सोमवीर सिंह, ब्रीडर, रबी सीरियल अनुभाग। 3. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
प्रशिक्षण विषय	:	खाद्यान्न उत्पादन तकनीकी।
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, मैनपुरी के 30 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि डा0 रामप्यारे नोडल अधिकारी आई.सी.ए.आर ने कहा कि सर्वप्रथम मा0 कुलपति महोदय की किसान, खेत के चिन्तन में जो पखवाड़ा आयोजित हो रहा है बहुत आभार। आज मैनपुरी के कृषकों को खाद्यान्न उत्पादन तकनीक पर जो जानकारी दी गई है। कृषकों को संतुलित उर्वरक प्रबन्धन के साथ खाद्यान्न उत्पादन मे बल मिलेगा। धान–गेहूँ फसल चक्र में फसल उत्पाद के साथ मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन पराली न जलाने पर जो वार्ता दी गयी है लाभकारी सिद्ध होगी।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	जनपद मैनपुरी के कृषकों ने कहा कि हमें बहुत ही उपयोगी जानकारी मिली कम जो फसल बुआई, सुरक्षा पर जिन बातों का ध्यान नहीं रखते थे आज पता चला कि खेती तकनीकी प्रबन्धन से करना चाहिए। धान का पुआल नहीं जलाना चाहिए। हमें गर्व है कि हमें विश्वविद्यालय गर्मी की मूँगफली को उत्पादन कराकर हमें बहुत मजबूत किया है। गर्मी की मूंगफली की खेती 2001 में 2 हे0 से प्रारम्भ की गयी थी, आज 3.5 लाख हे0 में खेती की जा रही है।

दिनाँक – 07.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 धर्मराज सिंह, अधिष्ठाता, कृषि संकाय
अन्य उपस्थित अधिकारी / वैज्ञानिक गण	:	प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 पी0के0 राठी, सह निदेशक प्रसार। 2. डा0 सुभाषचन्द्रा, सह निदेशक प्रसार। 3. डा0 खलील खान, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)। 4. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)
प्रशिक्षण विषय	:	प्राकृतिक संसाधन संरक्षण एवं फसलोत्पादन
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, इटावा के 32 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि ने कहा कि मा0 कुलपति महोदय ने ये पखवाड़ा आप सभी कृषकों को तकनीकी जानकारी देने हेतु आयोजित करने का निर्देश दिया बहुत ऐतिहासिक पहल है। आज का विषय प्राकृतिक संसाधन संरक्षण एवं फसलोत्पादन आज की आवश्यकता के अनुरूप है क्योंकि संसाधन संरक्षण करके ही टिकाऊ एवं आयपरक खेती करना सम्भव है सभी कृषक इसमें पूरी तन्मयता से जानकारी ले रहे हैं। बीज भी क्रय कर रहे हैं, सराहनीय है। तकनीकी प्रबन्धन खेती आयपरक खेती करना सम्भव है।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	जनपद –इटावा में बीहड़ क्षेत्र हैं, ऊँची–नीची भूमि है साथ ही ऊसर क्षेत्र है जहाँ पर प्राकृतिक संसाधन संरक्षण एवं फसलोत्पादन की तकनीकी प्रबन्धन की जानकारी बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। किसानों ने कहा कि ऐसी संगोष्ठी निरन्तर हर वर्ष होते रहना चाहिये।

दिनाँक – 08.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 ए0के0 सिंह, अपर निदेशक प्रसार
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	1. प्रसार निदेशालय
वार्ताकार	:	1. डा0 संजीव कुमार, सहा0 प्राध्यापक,शाकभाजी। 2. डा0 वाई0के0 सिंह, सहा0 प्रा0 (सस्य)। 3. डा0 आशा यादव, प्रभारी (एटिक)। 4. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
प्रशिक्षण विषय	:	किसानों की आय दोगुनी करने में विश्वविद्यालय का योगदान
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, कासगंज (एटिक) के 30 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा जो विभिन्न विषयों के साथ आयोजित हो रहा है इससे कृषकों को लाभ होगा। मा0 कुलपति महोदय की ये विचार धारा कृषकों को पत्थर कालेज से जोड़ने में अहम भूमिका निभायेगी। आज का विषय किसानों की आय दुगनी करने में विश्वविद्यालय के योगदान में कृषि के सभी आयामों को विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई हैं किसानों की आय दुगनी करने में सहायक होंगे। किसान भाइयों ने कम लागत की तकनीकी व लाभकारी बिक्री करने का प्रबन्धन सीखा है।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	उपस्थित विभिन्न जनपदों के कृषकों ने कहा कि किसानों की आय दुगनी करने हेतु जो जानकारी दी गई। साथ ही गाँव में स्वरोजगार स्थापित करने हेतु जो स्टार्ट–अप केन्द्र स्थापित किया गया है बहुत सहयोग होगा।

दिनाँक – 09.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 वेदरतन, अधिष्ठाता, गृह विज्ञान
अन्य उपस्थित अधिकारी / वैज्ञानिक गण	:	1. प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 अशोक कुमार, अध्यक्ष, के0वी0के0, दलीपनगर। 2. डा0 आशा यादव, प्रभारी (एटिक)। 3. डा0 पुष्पा देवी। 4. श्रीमती अलका कटियार।
प्रशिक्षण विषय	:	पूंजी एवं पोषण स्वावलम्बन हेतु महिला स्वयं सहायता समूह
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, दलीपनगर, कानपुर देहात के 31 महिला कृषकों का प्रतिभाग ।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि ने कहा कि 15 दिवसीय पखवाड़ा के माध्यम से तकनीकी प्रसार की अनूठी पहल है आज जो विषय रखा गया है "पूँजी एवं पोषण स्वावलम्बन हेतु महिला स्वयं सहायता समूह की भूमिका" जिसमें सभी प्रतिभागी महिलायें हैं एक स्वावलम्बी संदेश व जानकारी ले जाकर पूँजी एवं पोषण से स्वावलम्बी होगी। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गाँव में स्वरोजगार स्थापित करने में बल मिलेगा।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	प्रशिक्षण में प्रतिभागी महिलायें ने कहा कि आज जो दोनो विषय पूँजी एवं पोषण की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन पर कृषि तकनीकी के साथ जानकारी दी गयी है व बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगी इसी के साथ स्वयं सहायता समूह के संचालन पर बल मिलेगा। गाँव–गाँव पोषक रसोई बागवानी तैयार करने की जो प्रेरणा व तकनीकी मिली है उसे लागू कर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

दिनाँक – 10.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 सर्वेश कुमार, सह प्राध्यापक, भू.ज.सं.
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	1. प्रसार निदेशालय
वार्ताकार	:	1. डा0 पीके0 राठी, सह निदेशक प्रसार। 2. डा0 सर्वेश कुमार, भूमि संरक्षण एवं जल प्रबन्ध। 3. डा0 खलील खान, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)। 4. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
प्रशिक्षण विषय	:	भूमि, जल प्रबन्धन एवं नकदी फसल उत्पादन
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, फिरोजाबाद के 32 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि ने तकनीकी जानकारी देने के साथ कहा कि कृषि तकनीकी पखवाड़ा में प्रतिभाग करने वाले कृषकों के बीच प्रभावी सम्प्रेषण स्थापित करने का सुअवसर ही भूमि जल प्रबन्धन एवं नकदी फसल उत्पादन विषय पर आज की चर्चा जनपद फिरोजाबाद के अनुरूप होने से कृषकों को लाभकारी जानकारी प्राप्त हुई है।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	जनपद–फिरोजाबाद के कृषकों ने अपने सुझाव में कहा कि ऐसी तकनीकी जानकारी जो हमारे खेती के अनुरूप विषय रखा गया। हमें बहुत लाभकारी जानकारी मिली साथ ही बीज भी प्राप्त किया। आज उत्पादन जिसमें उर्वरक प्रबन्धन के साथ कम लागत से उत्पादन की तकनीकी जानकारी मिली।

दिनाँक – 11.10.2020

मुख्य अतिथि	:	श्री श्रीकृष्ण चौधरी , राष्ट्रीय सम्पर्क प्रमुख लोक भारती एवं सदस्य, समृद्धि आयोग, उ0प्र0।
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	1. प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 वी0के0 शर्मा, अध्यक्ष, के0वी0के0 फर्रूखाबाद। 2. डा0 एस0बी0 पाल, सहा0 प्राध्यापक, प्रसार। 3. डा0 खलील खान, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)। 4. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
कृषक अनुभव	:	श्री रमाकान्त त्रिपाठी, फतेहपुर। श्री सत्य प्रकाश मिश्रा, रायबरेली।
प्रशिक्षण विषय	:	प्राकृतिक खेती
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, फर्रूखाबाद के 32 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि ने कहा कि ये 15 दिवसीय ”कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा”आयोजित कर जो किसानों को तकनीकी जानकारी दी जा रही हैं कुलपति जी की बहुत प्रभावी एवं आवश्यक पहल है। आज की परिस्थिति के अनुसार गौ–आधारित प्राकृतिक खेती जो एक देशी गाय से 30 एकड़ की खेती होती है। सब कृषक अपनाये कृषि विश्वविद्यालय कानपुर ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से परीक्षण प्रारम्भ कराये है उन्होंने इस दिशा में मा0 कुलपति महोदय के प्रयासों की प्रशंसा की।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	जनपद फर्रूखाबाद के कृषकों का कहना है कि आज प्राकृतिक खेती के विषय में स्पष्ट जानकारी मिली विशेष जनपद रायबरेली एवं फतेहपुर के कृषक अपने अनुभव साझा किये जिससे प्राकृतिक खेती के विषय में विश्वास बढ़ा।

दिनाँक – 12.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 ए0के0 सिंह, अपर निदेशक प्रसार ।
अन्य उपस्थित अधिकारी / वैज्ञानिक गण	:	1. प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 डा0 आशा यादव, प्रभारी (एटिक)। 2. डा0 एस0बी0 पाल, सहा0 प्राध्यापक, प्रसार। 3. डा0 एन0 लारी, प्रसार निदेशालय। 4. डा0 खलील खान, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)। 5. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
प्रशिक्षण विषय	:	बीजोत्पादन कृषि व्यवसाय (मधुमक्खी, बकरी, मुर्गी पालन)
प्रतिभागी व संख्या	:	एटिक के कृषक– 33 ।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि ने कहा जो विषय रखा गया है बीज उत्पादन कृषि व्यवसाय (मधुमक्खी, बकरी, मुर्गीपालन) आज की आवश्यकता के अनुरूप है जो किसानों की आय दुगनी करने एवं कृषि के व्यवसायिक बनाने के साथ गाँव में ही स्वरोजगार स्थापित होंगे। कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा का आयोजन बहुत ही सामयिक एवं उपयोगी है।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	विभिन्न जनपद के कृषकों ने कहा कि बीज के साथ बीज उत्पादन की जो जानकारी दी गयी है बीज से स्वावलम्बी होकर खेती की लागत कम करने में हम सभी किसानों को बल मिलेगा। कृषि आधारित व्यवसाय के विषय में जानकारी मिली।

दिनाँक – 13.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 एस0के0 गुप्ता, कुलसचिव ।
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 डी0डी0 यादव, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान)। 2. डा0 के0के0 सिंह, अध्यक्ष, के0वी0के0, रायबरेली। 3. डा0 एस0बी0 पाल, सहा0 प्राध्यापक, प्रसार। 4. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
प्रशिक्षण विषय	:	दलहन उत्पादन
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, रायबरेली के 47 कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा मा0 कुलपति महोदय की पहल बहुत ही आदरणीय एवं कृषक हितैषी है। आज के प्रशिक्षण का विषय दलहन उत्पादन तकनीक का है जो आज की खेती एवं देश की आवश्यकता के अनुरूप है। ये प्रशिक्षण बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगा।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	कृषकों ने कहा कि प्रशिक्षण के दलहनी खेती जो बताई गई जिसमें चना, मटर, मसूर के उत्पादन बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। अरहर के साथ पेठा की खेती, धान के खेत में मेड़ में अरहर की खेती धान केबाद चना की उदय प्रजाति की खेती की जानकारी हम लोगों के लिए उपयोगी है।

दिनाँक – 14.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 धूम सिंह, निदेशक प्रसार
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक
वार्ताकार	:	1. डा0 वाई0के0 सिंह, सहा0 प्राध्यापक (सस्य विज्ञान)। 2. डा0 एस0बी0 पाल, सहा0 प्राध्यापक, प्रसार। 3. डा0 खलील खान, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)। 4. डा0 अनिल सिंह, सहा0 प्राध्यापक 5. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
प्रशिक्षण विषय	:	ऊसर भूमि में फसल उत्पादन तकनीक
प्रतिभागी व संख्या	:	एटिक कृषक – 30
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	निदेशक प्रसार महोदय ने कहा कि पखवाड़ा में कृषक बहुत ही रूचि लेकर प्रतिभाग कर रहे हैं तथा विश्वविद्यालय की तकनीकी कृषकों तक पहुँच रही है। सभी वार्ताकार बधाई के पात्र हैं। ऊसर भूमि के फसल उत्पादन तकनीक विषय में आज दी गई जानकारी ऊसर प्रभावित क्षेत्र के लिये लाभकारी सिद्ध होगी।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	प्रतिभागी किसानों ने कहा कि आज ऊसर भूमि की समस्या है उस पर मिली जानकारी से फसल उत्पादन करने में बल मिलेगा। ऊसर भूमि की प्रजातियों की जानकारी उर्वरक प्रबन्धन, सिंचाई जैसे ऊसर भूमि गेहूँ की पहली सिंचाई 30 दिन पर करना चाहिए।

दिनाँक – 15.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 डी0 आर सिंह, कुलपति
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	1. डा0 धूम सिंह, निदेशक प्रसार। 2. डा0 एच0जी0 प्रकाश, निदेशक कृषि प्रयोग केन्द्र। 3. डा0 राजेश कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, आई0आई0पी0आर0 4. श्री विकास किशोर, एस.डी.ओ0, सदर उन्नाव। 5. प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक।
वार्ताकार	:	1. डा0 राजेश कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, आई0आई0पी0आर0 2. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)। 3. श्री भुवन द्विवेदी, निदेशक, एफ0पी0ओ0, फतेहपुर। 4. कै0 आर0 पी0 पचौरी, निदेशक, एफ0पी0ओ0, अलीगढ़।
प्रशिक्षण विषय	:	कृषि निवेश एवं तकनीकी स्वावलम्बन तथा बाजार
प्रतिभागी व संख्या	:	एफ0पी0ओ0/एन0जी0ओ0 प्रतिनिधि/ इनपुट डीलर्स – 41
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	म0 कुलपति महोदय ने कहा "कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा" में जो जनपद की कृषि परिस्थितिकीय के अनुसार विषय रखकर जानकारी दी जा रही हैं किसान भाइयों के लिए बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगी। किसान उत्पादक संगठन, स्वयं सेवी संस्थायें, इन्पुट डीलर्स की एक साथ कार्यशाला होने से किसान उत्पादक संगठनों का संचालन प्रभावी ढंग से हो सकेगा तथा निवेश उपलब्धता एवं उत्पाद बिक्री की सुनिश्चतता आयेगी। यह कार्यशाला तीनों स्तम्भ एफ0पी0ओ0, एन0जी0ओ0, इन्पुट डीलर्स के साथ कार्य रणनीति व अनुभव साझा से कम लागत अधिक आय की खेती सुनिश्चित होगी। आज महिला किसान दिवस पर मा0 कुलपति जी ने कहा कि कृषि विकास का चौथा स्तम्भ महिला किसान को सशक्त करना बहुत ही आवश्यक है। हर वर्ग की महिलाओं को सम्मान देने का आवाहन किया। उन्होंने बताया यह तकनीकी पखवाड़ा महिलाओं को स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भरता के लिए भी उपयोगी होगा। प्रसार निदेशालय की समस्त टीम की प्रशंसा की जाती है।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	किसान उत्पादक संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि विकास हेतु संगठनों को मजबूत करने व उनके कौशल दक्षता बढ़ाने हेतु यह कार्यशाला हम सभी के लिए बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगी क्योंकि कार्यशाला में एफ0पी0ओ0, एन0जी0ओ0, इन्पुट डीलर्स के समन्वय प्रबन्धन की दक्षता से तकनीकी प्रबन्धन कौशल दिया गया। सभी प्रतिभागी इस अनूठी कार्यशाला के आयोजन हेतु मा0 कुलपति जी का आभार करते है।

दिनाँक – 16.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 पी0के0, उपाध्याय, अधिष्ठाता, कॉलेज ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	1. प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक। 2. श्री विकास किशोर, एस0डी0ओ0, सदर उन्नाव।
वार्ताकार	:	1. डा0 पी0के0, उपाध्याय 2. डा0 तेज प्रकाश, अध्यक्ष, के0वी0के0, फिरोजाबाद। 3. डा0 राम प्रकाश, के0वी0के0, हरदोई। 4. डा0 आशा यादव, सह प्राध्यापक/एटिक प्रभारी। 5. डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)।
प्रशिक्षण विषय	:	पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदोई के 36कृषकों का प्रतिभाग।
मुख्य अतिथि का सम्बोधन	:	मुख्य अतिथि ने कहा कि कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा जिसका आज 16वां दिन है विभिन्न जनपदों के कृषक प्रतिभाग कर जानकारी प्राप्त किये और आज पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन पर जो विषय रखा गया है तो पशुपालक कृषक प्राप्त जानकारी से व्यवसायिक पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में उपयोग कर अपनी आय बढ़ाने में कार्य करेंगे।
प्रशिक्षण मूल्यांकन	:	प्रतिभागी कृषकों ने अपने विचार व सुझाव में कहा कि आज से पहले बहुत से प्रबन्धन की जानकारी न होने से पशुपालन लाभकारी नहीं हो पा रहा था तथा रोग एवं बीमारी की भी जानकारी मिली साथ ही वर्ष भर हरा चारा उत्पादन के तकनीकी व प्रबन्धन मिलने से दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर आर्थिक मजबूती में बल मिलेगा।

दिनाँक – 17.10.2020

मुख्य अतिथि	:	डा0 धर्मराज सिंह, अधिष्ठाता, कृषि संकाय।
अन्य उपस्थित अधिकारी/वैज्ञानिक गण	:	1. डा0 वेदरतन, अधिष्ठाता, गृहविज्ञान। 2. डा0 धूम सिंह, निदेशक, प्रसार। 3. डा0 एच0जी0 प्रकाश, निदेशक, कृषि प्रयोग केन्द्र। 4. डा0 आर0पी0 सिंह, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण। 5. डा0 विजय यादव, मुख्य धान्यविद्। 6. डा0 सी0पी0 सचान, बीज उत्पादन अधिकारी। 7. डा0 संजीव कुमार सिंह।
प्रशिक्षण विषय	:	व्यवसायिक खेती (फूल, औषधीय एवं सगंधीय फसलें)।
प्रतिभागी व संख्या	:	कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर एवं कन्नौज के 71 कृषकों का प्रतिभाग।
सभी के विचार	:	सर्वप्रथम जनपद फतेहपुर एवं कन्नौज के कृषकों को व्यवसायिक खेती (फूल, औषधीय एवं संगधीय फसलों) विषय पर उत्पादन व बाजार प्रबन्धन पर जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों के साथ फतेहपुर के प्रगतिशील कृषक श्री राम सिंह पटेल ग्राम–औंग, विकास खण्ड–मलवां, जनपद–फतेहपुर ने अपने अनुभव साझा किया।
श्री राम सिंह पटेल प्रगतिशील कृषक के अनुभव	:	श्री राम सिंह पटेल ने बताया कि मैं आधा एकड़ से खेती प्रारम्भ की थी। मैं और मेरी पत्नी श्रीमती कांती देवी दोनो मिलकर 24 घंटों में 19 घंटे काम करके तथा विभिन्न संस्थानों व विशेष चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय एवं के0वी0के0, फतेहपुर से जानकारी लेकर व अपने स्वयं के परीक्षण से सघन खेती की खाद्यान्न फसलों के साथ सब्जी, पपीते व गन्ने की खेती की अगेती, पिछेती सब्जी उत्पादन किया जिससे 2020 तक आधा एकड़ खेती से 6 एकड़ भूमि खरीदी, 4 मकान बनाये, कृषि के सभी संयत्र खरीदे, बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलायी और एक एकड़ में कम से कम 6 लाख रूपये आय की खेती का मॉडल तैयार किया। सभी उपस्थित वैज्ञानिक, अतिथि एवं कृषक बहुत ही आकर्षित हुये सभी लोग श्री राम सिंह पटेल जी के खेत में जाने की इच्छा जाहिर की।
डा0 धूम सिंह, निदेशक प्रसार के विचार	:	निदेशक प्रसार डा0 धूम सिंह ने अपने स्वागत भाषण सभी का स्वागत करते हुये कहा कि 15 दिवसीय कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा बहुत ही तकनीकी प्रबन्धन एवं समन्वय के साथ संचालित हुआ जो 21 जनपदों मं 574 कृषकों, एफ0पी0ओ0, चन्द्रशेखर कृषक समिति के माध्यम से तकनीकी पहुंचाने का सफल प्रयास साबित होगा। इस प,ावाड़ा के सफल आयोजन में प्रसार निदेशालय टीम विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष/अनुभागाध्यक्ष के सहयोग से नामित वैज्ञानिकों द्वारा वार्तायें दी गईं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सभी महानुभावों का सराहनीय योगदान रहा। 32 लाख रूपये के बीज की बिक्री हुई जो 21 जनपदों में बीज पहुँचाने में सफलता मिली।

डा0 वेदरतन अधिष्ठाता (गृहविज्ञान) के विचार	:	डा0 वेदरतन जी ने कहा कि इस पखवाड़ा में में 09.10.2020 के महिला स्वयं सहायता समूहों में सदस्यों हेतु पूँजी एवं पोषण स्वावलम्बन विषयक प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया और दिनाँक 17.10.2020 को समापन कार्यक्रम में देखा कि पखवाड़ा के जो विषय सुनिश्चित किये गये जनपदवार कृषि परिस्थिती के अनुरूप थे। 15 दिवसीय पखवाड़ा बहुत सार्थक एवं सफल रहा। आयोजन टीम को बहुत–बहुत बधाई मा0 कुलपति महोदय की सोंच आदरणीय है।
डा0 धर्मराज सिंह, अधिष्ठाता(कृषि) के विचार	:	मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधन में सर्वप्रथम मा0 कुलपति महोदय द्वारा जो 15 दिवसीय कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा का आयोजन हेतु निर्देश, सुझाव व मार्गदर्शन दिया गया यह विश्वविद्यालय की पहली एवं सफल सहभागी कार्यक्रम रहा है। जनपद के 579 कृषक प्रतिभाग किये जिसमें किसान उत्पादक संगठन (एफ0पी0ओ0), स्वयं सहायता समूह, स्वयं सेवी संस्थाओं व इन्पुट डीलर्स प्रतिभाग किये जिनके माध्यम से हजारों कृषकों तक तकनीकी पहुँचाने में सफलता मिली है। प्रगतिशील कृषक, एफ0पी0ओ0 प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा किये जिससे कृषकों के साथ वैज्ञानिकों को भी बहुत कुछ जानने, समझने का मौका मिला। उन्होंने निदेशक प्रसार के साथ प्रसार निदेशालय की टीम जो इस पखवाड़ा के सफल आयोजन में योगदान दिये सभी बहुत ही प्रशंसा के पात्र हैं। मा0 कुलपति जी का कृषक हितैषी चिंतन आदरणीय सम्मानीय है।

अखिल भारतीय कृषि मेला/केन्द्र पर आयोजित विराट मेला

जिला जेल में अशिक्षित बंदि

नासूर रही

कृषि विज्ञान केंद्र में केंद्रीय मंत्री ने किसानों को संबोधित किया